जन संपर्क प्रकोष्ठ
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग

जलदाय मंत्री एवं एसीएस पीएचईडी पुरस्कार लेने 25 को जाएंगे दिल्ली

आईओटी आधारित स्मार्ट वाटर सप्लाई मॉनिटरिंग में राजस्थान को अवार्ड

जयपुर, 23 अगस्त। उपभोक्ताओं को सही मात्रा में एवं तय गुणवत्ता मानकों के साथ पेयजल आपूर्ति की मॉनिटरिंग के लिए आईओटी आधारित स्मार्ट वाटर सप्लाई मॉनिटरिंग सिस्टम स्थापित करने के लिए राजस्थान को पुरस्कृत किया जाएगा। नई दिल्ली में 25 अगस्त को आयोजित होने वाले डिजिटेक कॉन्क्लेव–2022 में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव पीएचईडी डॉ. सुबोध अग्रवाल यह पुरस्कार ग्रहण करेंगे। उल्लेखनीय है कि राजस्थान ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत सर्वाधिक गांवों में आईओटी आधारित स्मार्ट वाटर सप्लाई मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि जयपुर जिले के 15 गांवों में नलों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की रियल टाइम मॉनिटरिंग के पायलट प्रोजेक्ट के तहत आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) आधारित स्मार्ट वाटर सप्लाई मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए गए हैं। इस सिस्टम में उच्च जलाशय से की जाने वाले पेयजल आपूर्ति की लाइन की शुरूआत, पाइप लाइन के ब्रांच नोड एवं टेल नोड पर सेंसर्स लगाए गए हैं। यह सिस्टम लगने के बाद गांवों में नल के माध्यम से होने वाली पेयजल आपूर्ति के प्रबंधन में भी काफी बदलाव दिखाई दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि गांवों में होने वाली पेयजल आपूर्ति सही मात्रा में एवं पर्याप्त गुणवत्ता मानकों के साथ हो इसकी मॉनिटरिंग करने के लिए जल जीवन मिशन में पायलट प्रोजेक्ट के तहत चयनित गांवों में आईओटी आधारित सेंसर लगाए गए हैं। इन सेंसर्स को इंटरनेट से जोड़ा गया है। इंटरनेट के माध्यम से सेंसर्स द्वारा एकत्र डेटा का आदान–प्रदान एवं मॉनिटरिंग की जाती है। इन सेंसर्स के माध्यम से यह चैक किया जाता है कि टंकी का पानी शुद्ध है एवं उसमें किसी तरह का कंटेमिनेशन नहीं है। साथ ही टेल एंड के उपभोक्ता को जो पानी मिल रहा है उसका प्रेशर कितना है, फ्लो कैसा है, पीएच वैल्यू, टीडीएस, क्लोरीन एवं फ्लोराइड कितनी मात्रा में है इसका डेटा भी इन सेंसर्स से प्राप्त होता है। मॉनिटरिंग सिस्टम द्वारा भेजे जाने वाले आंकड़े सीधे राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के डेशबोर्ड पर देखे जा सकते हैं।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जयपुर जिला वृत्त द्वारा स्मार्ट वाटर सप्लाई मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने के लिए नरसिंहपुरा, श्रीरामपुरा, शिवदासपुरा, नन्दगांव, लालपुरा, मंडा भोपावास, बागडी सिरसा, धोदसर, रामपुरा, द्वारिकापुरा, भूरी बराज, तूंगा, माधोगढ़, जटवाड़ा एवं कोटखावदा गांवों का चयन किया गया था। इन गांवों में आईओटी आधारित सेंसर पायलट प्रोजेक्ट के तहत लगाए गए हैं।

इकॉनोमिक टाइम्स द्वारा नई दिल्ली में आयोजित तीसरे डिजिटेक कॉन्क्लेव में 25 अगस्त को मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत को यह पुरस्कार ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किया गया था। लेकिन पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण मुख्यमंत्री नहीं जा पाएंगे। राज्य सरकार की ओर से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी डॉ. सुबोध अग्रवाल 25 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित डिजिटेक कॉन्क्लेव में यह पुरस्कार ग्रहण करेंगे।

———